पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत सरकार

महत्वपूर्ण घटनाक्रम का सारांश- अप्रैल, 2024

1. **माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां**:
अनुलग्नक-I में दी गई हैं।

2. **व्यापक अंतर मंत्रालयी विचार-विमर्श/विलंब आदि के कारण रुके हुए महत्वपूर्ण नीतिगत मामले आदि**:
शून्य।

3. **मंत्रालय में तीन महीने से अधिक समय से लंबित "अभियोजन के लिए स्वीकृति" के मामले**:
शून्य।

4. **ऐसे मामलों का विवरण जिसमें सरकार के कार्य व्यवहार या स्थापित नीति में छूट दी गयी है**:
शून्य

5. **चालू स्वच्छता अभियान की स्थिति (विशेष अभियान के तहत प्रगति):**
विशेष अभियान 3.0 के एक भाग के रूप में, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और इसके संस्थानों में अप्रैल, 2024 के महीने के दौरान स्वच्छता अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियाँ की गईं।

6. **स्वायत्त निकायों के पुनर्गठन की स्थिति:**
मंत्रिमंडल ने दिनांक 13 जुलाई, 2022 को हुई अपनी बैठक में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन 5 स्वायत्तशासी निकायों का एक स्वायत्तशासी निकाय में विलय करने के लिए अपना अनुमोदन दे दिया। 26 दिसंबर, 2023 को पृथ्वी प्रणाली विज्ञान परिषद के संगम ज्ञापन तथा नियम-विनियम के साथ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली की सरकार के तहत सोसायटी के रजिस्ट्रार के कार्यालय में अम्ब्रेला स्वायत्तशासी सोसायटी 'पृथ्वी प्रणाली विज्ञान परिषद' का पंजीकरण कर दिया गया है।

7. **प्रशासन और विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए मंत्रालय द्वारा किए गए विशिष्ट उपायों के संबंध में सूचना:**
समुद्र की सतह का तापमान और क्लोरोफिल जैसे उपग्रह से प्राप्त किए गए मापदंडों का उपयोग करके मछली पकड़ने के संभावित क्षेत्र की परामर्शिकाएं जारी की जाती हैं। इसके अलावा, अल्पावधि और मध्यम अवधि के मौसम का पूर्वानुमान लगाने के लिए ग्लोबल सैटेलाइट के डेटा का सतत रूप से उपयोग किया जाता है।

8. **स्वायत्त निकायों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित मंत्रालय/विभाग में वरिष्ठ स्तर की नियुक्तियों की रिक्ति की स्थिति:**
इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रालय/विभाग और उसके संगठनों के मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति (एसीसी) के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्यौरा एसीसी रिक्ति निगरानी प्रणाली (एवीएमएस) पर अद्यतन किया गया है और इसका ब्यौरा **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

9. **ऐसे मामलों की सूची जिनमें मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया है**:
इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन किया गया है।

10. **माह के दौरान पास कर दिए गए विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) प्रस्तावों का विवरण तथा मंत्रालय/विभाग में अनुमोदन हेतु प्रतीक्षारत एफडीआई प्रस्तावों की स्थिति** :
लागू नहीं।

****

अनुलग्नक-I

लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:

- 2024 की गर्मी की ऋतु (अप्रैल से जून) के दौरान, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कुछ भागों तथा उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ भागों को छोड़कर, जहाँ सामान्य से कम अधिकतम तापमान रहने की संभावना है, देश के अधिकांश भागों में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान रहने की संभावना है,
- दिल्ली में वायु की गुणवत्ता अप्रैल 2024 में 23 दिनों तक मध्यम श्रेणी में रही।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 15 अप्रैल 2024 को दक्षिण-पश्चिम मानसून 2024 के लिए दीर्घावधि पूर्वानुमान जारी किये। प्रेस विज्ञप्ति के मुख्य अंश इस प्रकार हैं:
  - क) पूरे देश में 2024 की दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु (जून से सितंबर) में वर्षा सामान्य से अधिक (दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 104% से अधिक) होने की संभावना है।
  - ख) वर्तमान में, भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में मध्यम अल नीनो स्थितियाँ हैं। मानसून ऋतु के पूर्वार्ध के दौरान अल नीनो की स्थिति और कमजोर होकर तटस्थ अल नीनो दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ) की स्थिति में आ सकती है और मानसून ऋतु के उत्तरार्ध के दौरान ला नीना की स्थिति विकसित होने की संभावना है।
  - ग) वर्तमान में, हिंद महासागर के ऊपर तटस्थ हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी) की स्थितियां बनी हुई हैं और दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु के उत्तरार्ध के दौरान सकारात्मक आईओडी की स्थितियां विकसित होने की संभावना है।
  - घ) पिछले तीन महीनों (जनवरी से मार्च, 2024 तक) के दौरान उत्तरी गोलार्ध में बर्फ का आवरण सामान्य से कम था। उत्तरी गोलार्ध के साथ-साथ यूरेशिया में सर्दियों और वसंत में बर्फ के आवरण के विस्तार का आम तौर पर बाद के भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून की वर्षा के साथ विपरीत संबंध है।
- भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) ने आईआईटीएम-दशकीय जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली (डीसीपीएस) का पहला संस्करण विकसित किया और इसका उपयोग विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के प्रमुख केंद्र द्वारा "वैश्विक वार्षिक से दशकीय जलवायु अपडेट" तैयार करने के लिए किया जा रहा है।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 10 अप्रैल 2024 को प्री-साइक्लोन एक्सरसाइज बैठक आयोजित की, जिसमें केंद्रीय स्तर की आपदा प्रबंधन एजेंसियों, राज्य स्तरीय आपदा प्रबंधन एजेंसियों, विभिन्न मंत्रालयों और विभागों, आईएमडी के सहयोगी संगठनों तथा अनुसंधान संस्थानों सहित विभिन्न संगठनों के लगभग 230 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- मैत्री स्टेशन, अंटार्कटिका के साथ 24x7 सैटेलाइट कनेक्टिविटी स्थापित करने के लिए 8 मेगाहर्ट्ज ट्रांसपोंडर क्षमता के लिए न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल), बैंगलोर के साथ एक समझौता ज्ञापन को राष्ट्रीय ध्रुवीय और समुद्री अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर), गोवा द्वारा दिसंबर 2024 तक बढ़ा दिया गया।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मौसम और जलवायु सेवाओं के संयुक्त अनुसंधान और विकास के लिए 23 अप्रैल 2024 को ओनामेट, डोमिनिकन गणराज्य के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

निर्णय/अनुमोदन की आवश्यकता वाला कोई भी मामला मंत्रिमंडल के समक्ष लंबित नहीं था।

<u>न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन;</u>

- किसान पोर्टल और सरकारी निजी सहभागिता मोड के माध्यम से देश में एस.एम.एस और आईवीआर प्रौद्योगिकी के जरिए प्रयोक्ता समुदायों के लिए एग्रोमेट परामर्शिकाओं का प्रसारण जारी है। वर्तमान में, देश में लगभग 7.6 मिलियन किसान सीधे ही परामर्शिकांए प्राप्त कर रहे हैं।

- राज्य सरकार के अधिकारियों/ आपदा संबंधी अधिकारियों/केंद्र सरकार के संगठनों/जन सामान्य को मोबाइल के माध्यम से प्रतिकूल मौसम के बारे में एसएमएस से चेतावनियां भेजी जा रही हैं।
- राज्य प्राधिकरणों, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया सहित सभी प्रयोक्ताओं को ईमेल के माध्यम से कई शहरों के लिए चेतावनी और शहर पूर्वानुमान के साथ-साथ दैनिक पूर्वानुमान प्रसारित किये जाते हैं।

वायु मंडलीय प्रेक्षण प्रणाली नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक चालू किए गए	महीने के दौरान स्थापित।	डेटा रिपोर्टिंग।
स्वचालित मौसम स्टेशन (AWS)	*604	--	604
स्वचालित वर्षा मापक (ARG)	**550	--	550
एग्रो एडब्ल्यूएस	200	--	189
ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) सोंडे आधारित रेडियो सोंडे (आरएस)/रेडियो विंड (आरडब्ल्यू) स्टेशन	56	--	56
डॉपलर मौसम रडार	***41	--	33
ओजोन (ओजोन सोंदे+कुल ओजोन)	02	--	02
सतह ओजोन (विद्युत-रासायनिक सांद्रता सेल विधि)	09	--	06
नेफेलोमीटर	12	--	09
स्काई रेडियोमीटर	20	--	13
ब्लैक कार्बन मॉनिटरिंग सिस्टम (अथैलोमीटर)	25	--	23
वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च) (सफर)	10 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)	--	10 (दिल्ली) ****शून्य (मुंबई) शून्य (अहमदाबाद)
हाइड्रोमैट (भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) एवं एडब्ल्यूएस एवं एआरजी को छोडकर अन्य विभाग)	---	--	4657
विमानन	101	--	101
रेडिएशन स्टेशन	47	---	47

* स्थापित किए गए कुल 808 में से 204 पुराने हैं।
** स्थापित किए गए कुल 1382 में से 832 पुराने हैं।
***भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के दो डॉप्लर मौसम रडार सहित।
****फर्म के साथ अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया गया है।

मॉडलिंग

अप्रैल, 2024 के दौरान, हर सप्ताह गुरुवार को, बारिश, सतह के तापमान और हवाओं (पूर्ण क्षेत्रों और विसंगतियों) के लिए चार सप्ताह के लिए राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र, युग्मित मॉडल आधारित विस्तृत पूर्वानुमान (ईआरपी) (i) आईएमडी के दीर्घ अवधि के पूर्वानुमान और कृषि-मौसम प्रभाग, (ii) भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) ईआरपी समूह, (iii) अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (SAC), (iv) डिफेंस जियो-इनफोर्मेटिक्स रिसर्च एस्टेब्लिशमेंट (DGRE), (v) भारतीय वायु सेना (IAF), (vi) भारतीय नौसेना, (vii) जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (GSI), (viii) नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी (NIH), (ix) आईएमडी के सभी प्रादेशिक मौसम केंद्र और (x) बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल तकनीकी और आर्थिक सहयोग (बिम्सटेक) देशों के मौसम विभागों को रियल टाइम में प्रदान किए गए । इसके अतिरिक्त, हिमपात के पूर्वानुमान रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा भारतीय वायु सेना को उपयोग के लिए उपलब्ध करवाए गए। माह के अंतिम गुरुवार अर्थात् 25 अप्रैल, 2024 को मई, 2024 के लिए मान्य मासिक औसत पूर्वानुमान भी प्रयोक्ताओं के लिए शामिल किए गए थे।

मासिक मौसम सारांश (अप्रैल 2024)

क) माह के दौरान मौसम संबंधी महत्वपूर्ण घटनाएं

<u>पश्चिमी विक्षोभ(WD):</u>

पांच (5) सक्रिय पश्चिमी विक्षोभों (1-8**,** 9-12**,** 11-17**,** 17-21 और 24-29 अप्रैल) के कारण पश्चिमी हिमालयी राज्यों में बारिश/बर्फबारी हुई तथा उत्तर और मध्य भारत के मैदानी भागों में भी बारिश/गर्ज के साथ तूफान और ओलावृष्टि हुई। उत्तरी बंगाल की खाड़ी से नमी के साथ निचले स्तर की पवनों के कारण इस महीने के दौरान अरुणाचल प्रदेश**,** असम और त्रिपुरा में भारी बारिश हुई।

<u>लू:</u>

पूर्वी भारत और दक्षिण-पूर्वी प्रायद्वीपीय भारत में 5-7 अप्रैल के दौरान तथा ओडिशा और पश्चिम बंगाल में 15-30 अप्रैल के दौरान**,** लू की तीव्रता बढ गई एवं यह बिहार झारखंड**,** दक्षिण-पूर्वी प्रायद्वीपीय भारत और आंतरिक कर्नाटक तक फैल गई। तथापि**,** अप्रैल 2024 के दौरान**,** पश्चिमी विक्षोभों के सुदूर पश्चिम से आगे बढ़ जाने के कारण उत्तरी और मध्य भारत में लू की स्थिति नहीं देखी गई।

ख) वर्षा परिदृश्य:

अप्रैल 2024 माह में, पूरे देश में 31.4 मिमी. वर्षा दर्ज की गई जो इसके दीर्घावधि औसत (एलपीए) 39.3 मिमी का 80% है।

ग) भारी वर्षा की घटनाएं

समयावधि जिसके लिए चेतावनी जारी की गई	**भारी / बहुत भारीवर्षा की घटनाओं की संख्या (> 64.4 मिमी): 450 306**
	64.4 मिमी से अधिक वर्षा के लिए प्रतिशत सुधार (% में)
दिन 1/24 घंटे	95
दिन 2/48 घंटे	94
दिन 3/72 घंटे	94

घ) तापमान परिदृश्य:
अप्रैल-2024 माह में देश में समग्र रूप से औसत तापमान 29.01 डिग्री सेल्सियस था, जो कि सामान्य तापमान से 0.72 डिग्री सेल्सियस अधिक था। वर्ष 1901 से अब तक यह 9वां उच्चतम तापमान है। माह के दौरान देश के मैदानों में अधिकतम तापमान दिनांक 30 अप्रैल 2024 को कलईकुंडा (गांगेय पश्चिम बंगाल) में 47.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, तथा न्यूनतम तापमान दिनांक 2 अप्रैल 2024 को करनाल (हरियाणा) में 11.6 डिग्री सेल्सियस पाया गया।

ङ) गरजने और ओलावृष्टि गतिविधि:
माह के दौरान (माह की अंतिम तिथि को 08:30 आईएसटी तक) गरजने और ओलावृष्टि की घटना नीचे तालिका में दी गई है:

क्र.सं.	क्षेत्र	तेज गर्ज के साथ तूफान वाले दिन	ओलावृष्टि की घटनाएं	गरजने की घटनाएँ	धूल भरी आंधी
1.	दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत	18	शून्य	शून्य	शून्य
2.	उत्तरी पश्चिमी भारत	27	11 (4, 16, 20-21, 23-24, 26-30 अप्रैल)	शून्य	शून्य
3.	पूर्वोत्तर भारत	24	शून्य	शून्य	शून्य
4.	पूर्वी भारत	22	5 (8-11, 28 अप्रैल)	1 (7 अप्रैल)	शून्य
5.	मध्य भारत	20	शून्य	शून्य	शून्य
6.	पश्चिमी भारत	16	7 (9, 11-13, 17, 24-25 अप्रैल)	शून्य	शून्य

जारी किए गए बुलेटिन/ चेतावनी /प्रेस विज्ञप्तियां:
अखिल भारत मौसम बुलेटिन: 120; अखिल भारत में प्रतिकूल मौसम अनुमान और चेतावनियां: 120; संपूर्ण भारत में साप्ताहिक मौसम रिपोर्ट: 4; अगले 5 दिनों तक साइक्लोजेनेसिस पूर्वानुमान के साथ दैनिक उष्णकटिबंधीय मौसम पूर्वानुमान: 30; अगले 2 सप्ताहों के लिए साइक्लोजेनेसिस के लिए साप्ताहिक विस्तारित अवधि पूर्वानुमान: 4; अगले 5 दिनों के लिए उत्तरी हिंद महासागर में मछुआरों के लिए दैनिक चेतावनी: 60; अगले 12 घंटों के लिए भारतीय नौसेना हेतु फ्लीट पूर्वानुमान: 60; अगले 36 घंटों के लिए ग्लोबल डिस्ट्रेस सेफ्टी सिस्टम (GMDSS) के अन्तर्गत गहरे समुद्र में जहाजों के लिए बुलेटिन: 60; तत्काल पूर्वानुमान मार्गदर्शन के लिए विषम मौसम परामर्शिका बुलेटिन: 30; एफडीपी तूफान बुलेटिन: 30; पश्चिमी और मध्य हिमालयी क्षेत्र के लिए पर्वतीय मौसम बुलेटिन: 60; उत्तर भारत के लिए जारी अखिल भारतीय बहु- संकट शीतकालीन मौसम चेतावनी बुलेटिन: 30; वर्तमान तापमान स्थिति और चेतावनी बुलेटिन: 30; माह के दौरान जारी प्रेस विज्ञप्ति: 55.

प्रकाशन और परिचालन रिपोर्टें:
1. मार्च 2024 के महीने के लिए जलवायु सारांश जारी किया गया।
2. फरवरी 2024 के महीने के लिए ईएनएसओ बुलेटिन और अप्रैल से जुलाई 2024 की अवधि के लिए दक्षिण एशिया के लिए ऋतुनिष्ठ जलवायु आउटलुक जारी किए गए।
3. दिनांक 23 अप्रैल 2024 को "एशिया में जलवायु की स्थिति 2023 " (डब्ल्यूएमओ संख्या 1350) जारी किया गया।
4. जनवरी, फरवरी, तथा शीत ऋतु 2024 के लिए जलवायु निदानिक बुलेटिन तथा वार्षिक जलवायु सारांश 2023 प्रकाशित कर वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया।

भूकंपविज्ञानीय प्रेक्षण नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक स्थापित	माह के दौरान डेटा रिपोर्टिंग
भूकंपी केन्द्र	157	140

भूकंप और सुनामी की निगरानी

भूकंप:
भारतीय क्षेत्र में 136 भूकंपों की निगरानी की गई, जिसमें से 4 भूकंपों की तीव्रता 5.0 से अधिक थी।

सुनामी**:**
इस माह के दौरान सुनामी उत्पन्न कर सकने की क्षमता वाले 6 समुद्र तलीय भूकंप (6 से अधिक तीव्रता वाले) आए।

समुद्र प्रेक्षण प्रणाली

प्लेटफॉर्म का प्रकार	माह के दौरान तक आरंभ किये गये	माह के दौरान प्राप्त डेटा
अर्गो फ्लोट्स	115	73
मूरेड उत्प्लव	19	11
टाइड गॉज	36	33
उच्च आवृत्ति (HF) राडार	10	8
एकॉस्टिक डॉपलर करंट प्रोफाइलर (ADCP)	20	17
सुनामी बुयो	7	4
वेव राइडर बुयो	16	11

समुद्र विज्ञान सेवाएँ

क्र.सं.	पूर्वानुमान के प्रकार	महीने के दौरान जारी की गई परामर्शिकाओं की संख्या
1.	एकीकृत संभावित मत्स्यन क्षेत्र (PFZ) परामर्शिका (समुद्र सतह का तापमान (SST), क्लोरोफिल, पवन)।	31
2.	टूना मछली पकड़ने की परामर्शिकाएं	8
3.	समुद्री दशा का पूर्वानुमान (OSF)-लहर, पवन, धाराएं, एसएसटी(समुद्र तल का तापमान), MLD (मिश्रित परत की गहराई) और D20 पूर्वानुमान	31
4.	रियल टाइम वैश्विक समुद्र विश्लेषण (दैनिक)	31
5.	कोरल विरंजन चेतावनी प्रणाली	10

<u>आउटरीच एवं जागरुकता</u>

- बर्सिलोना, स्पेन में समुद्री दशक सप्ताह 8-12 अप्रैल 2024 के दौरान इंडियन नेशन डिकेड कॉर्डिनेशन कमेटी (NDC) के अध्यक्ष डॉ. एम रविचंद्रन (सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय) के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधि मंडल ने दुनियाभर के हितधारकों के साथ संवाद किया।
- आईआईटीएम ने "क्लाउड सीडिंग से संबंधित सामान्य प्रश्नों एवं उत्तरों पर सामान्य प्रलेख" प्रकाशित किया।
- दिनांक 22 अप्रैल 2024 को पृथ्वी दिवस समारोह 2024 की पूर्व संध्या पर पद्म श्री पुरस्कार विजेता डॉ. शैलेश नायक, भूतपूर्व सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा 'अमृत काल में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का विज़न' पर एक विशेष वार्ता आयोजित की गई।
- दिनांक 8-12 अप्रैल 2024 के दौरान "'रिमोट सेसिंग एवं ओशनोग्राफिक अनुप्रयोगों की आधारभूत बातें" पर भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र (इंकॉइस) द्वारा एक सप्ताह की अवधि का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया। बेरहामपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा तथा मैंगलोर विश्वविद्यालय के छत्तीस (36) एमएससी विद्यार्थियों ने इस कोर्स में भाग लिया।
- विभिन्न महाविद्यालयों / संस्थानों / विश्वविद्यालयों / विद्यालयों के विद्यार्थी आईआईटीएम और इंकॉइस का दौरा किया।
- इंकॉइस ने :
    - भारत के पूर्वी एवं पश्चिमी तट, अंडमान एवं निकोबार दीपसमूहों के लिए एक सौ चौसठ (164 ऊंची लहर / महातरंग महोर्मि चेतावनी / अशांत सागर चेताविनयां जारी की।
    - हिंद महासागर के लिए संख्यात्मक समुद्री पवन पूर्वानुमान (पवन और भंवर) और वैश्विक संख्यात्मक समुद्री पूर्वानुमान (धारा, सामान्य तापमान और निरपेक्ष लवणता) के लिए क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम पूर्वानुमान केंद्र (RSMC) को इकत्तीस (31) दिनों का पूर्वानुमान जारी किए।
    - इंकॉइस ने साउथ एशिया हाइड्रोमेट फोरम (SAHF), जिसका प्रशासन RIMES द्वारा किया जाता है, के लिए साप्ताहिक अपडेट्स प्रदान किए, जिसमें हिंद महासागर की समुद्री स्थिति के संबंध में विगत सप्ताह की ब्रीफिंग तथा आगामी सप्ताह में पूर्वानुमान की जानकारी (लहर, पवन, धारा, तरंग, समुद्री सतह का तापमान) शामिल हैं।
    - सत्ताईस (27) दिनों की ऐल्गल ब्लूम सूचना सेवा जारी की गई तथा 2 दिवसीय अलर्ट सृजित किए।
    - इंकॉइस ने 29, 30 एवं 31 मार्च 2024 को संबंधित राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों (UTs) के लिए अशांत सागर / महातरंग महोर्मि चेतावनियां जारी की।
    - तेल खोजने के लिए ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड (ONGC) की सहायता करने वाली फर्म मेसर्स मैकडरमॉट को उनकी रिग लोकेशन में वायु एवं तरंग मापदण्डों संबंधी समुद्री दशा पूर्वानुमान (OSF) परामर्श सेवाएं प्रदान की।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर एवं आईएमडी वेबसाइट के माध्यम से अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा में लगभग 5 मिनट अवधि के मौसम पूर्वानुमान सम्बन्धी वीडियो प्रतिदिन जारी किए।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा वेबसाइट एवं सोशल मीडिया के माध्यम से प्रत्येक गुरूवार को विस्तृत अवधि पूर्वानुमान (दो सप्ताह तक का) सम्बन्धी साप्ताहिक वीडियो जारी किया गया है।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा देशभर के अंदर पूर्वानुमानकर्ताओं द्वारा दैनिक साक्षात्कार दिया गया।
- ग्राफिक युक्त बुलेटिन एवं चेतावनियां फेसबुक, ट्विटर, इंस्ट्राग्राफ, यूट्यूब सहित सोशल मीडिया एवं आईएमडी ब्लॉग पेज के माध्यम से भी जारी किए गए।
- भारतीय नौसेना के अधिकारियों ने संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान पर एक सुग्राह्यता पाठ्यक्रम हेतु दिनांक 4-5 अप्रैल 2024 के दौरान राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र (NCMRWF) का दौरा किया।

प्रकाशन

विषय	प्रकाशन			पीएचडी		
	अप्रैल 2023 - मार्च 2024	**अप्रैल 2024**	**कुल**	**अप्रैल 2023 - मार्च 2024**	**अप्रैल 2024**	**कुल**
वायुमण्डलीय विज्ञान	**166**	10	**176**	**12**	2	**14**
समुद्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	**106**	13	**119**	**4**	0	**4**
ध्रुवीय विज्ञान	**32**	5	**37**	**1**	0	**1**
भूविज्ञान एवं संसाधन	**64**	4	**68**	**6**	0	**6**
कुल	**368**	**32**	**400**	**23**	**2**	**25**

माह के दौरान समुद्री अनुसंधान पोतों का उपयोग

जलपोत	समुद्र पर दिन / उपयोग	अनुरक्षण / निरीक्षण / वैज्ञानिक लॉजिस्टिक / क्रूज तैयारी	क्रूज की संख्या
सागर निधि	24	6	2
सागर मंजूषा	19	11	3
सागर तारा	15	15	2
सागर अन्वेषिका	0	30	0
सागर कन्या	0	30	0
सागर सम्पदा	23	7	3

अनुलग्नक II

एमओईएस/20/01/2017-स्था.
भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

पृथ्वी भवन, लोदी रोड
नई दिल्ली 110 003
दिनांक: मई, 2024

प्रमाण पत्र
(माह अप्रैल 2024 के लिए)

प्रमाणित किया जाता है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से संबंधित सभी पदों के संबंध में विस्तृत स्थिति अप्रैल,2024 माह के अंतिम दिन एवीएमएस पर अपडेट कर दी गई है। स्थिति का सार विवरण नीचे दिया गया है:-

(क) एवीएमएस में दर्ज किए जाने हेतु अपेक्षित पदों की कुल संख्या	-13
(ख) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार भरे हुए पदों की संख्या	-12
ग) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार पूर्णत: रिक्त पदों की संख्या	-01
(घ) अतिरिक्त प्रभार व्यवस्था के अधीन पदों की संख्या	-00
(ङ) आगामी 6 माह में रिक्त होने वाले पदों की संख्या	-02

(नेहा सिंह)
उप सचिव
neha.singh76@nic.in